M.A (Hindi) Course Structure

Non-Semester Pattern

1st Year		2nd Year	
Code	**Course Title**	**Code**	**Course Title**
MAHD 1001	Hindi Sahitya ka Itihas	MAHD 2001	Bhasha Vigyan Evam Hindi Bhasha
MAHD 1002	Prachin evam Madhyakalin Kavya	MAHD 2002	Prayojanakmulak Hindi
MAHD 1003	Adhuni Kavita	MAHD 2003	Anuvad Vigyan
MAHD 1004	Katha Sahitya	MAHD 2004	Bhasha Prodyogiki (ICT in Hindi)
MAHD 1005	Kathetar Sahitya	MAHD 2005	Nayee Media Evam Hindi
MAHD 1006	Bharatiya Sahitya	MAHD 2006	Hinditar Pradesh – Hindi Bhasha Evam Sahitya

Fee Structure for MA(Hindi)

Sl. No.	Fee Particulars	DDE ₹	TPI ₹
1	Registration & Processing Fee	200	200
2	Matriculation Fee	25	50
3	University Development Fund	1,000	1,000
4	Recognition Fee (For Foreign University ₹ 450)	200	200
5	Study Material & Handling Charges	2,000	2,000
6	Tuition Fee	8,000*	16,000**
	Total	**11,425**	**19,450**

* ₹ 4,000 per Year ** 8,000 per Year

Fee can be paid as follows

Sl. No.	Fee Particulars	DDE	TPI
1	First Year	7,425	11,450
2	Second Year	4,000	8,000
	Total	**11,425**	**19,450**

PONDICHERRY UNIVERSITY
DEPARTMENT OF HINDI

DISTANCE EDUCATION

M.A. DEGREE COURSE – SYLLABUS

FIRST YEAR/ प्रथम वर्ष

HINDI 01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास

HINDI 02 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

HINDI 03 - आधुनिक कविता

HINDI 04 - कथा राहित्य

HINDI 05 - कथेतर साहित्य

HINDI 06 - भारतीय साहित्य

SECOND YEAR/ द्वितीय वर्ष

HINDI 07 - भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

HINDI 08 - प्रयोजनमूलक हिन्दी

HINDI 09 - अनुवाद विज्ञान

HINDI 10 - भाषा प्रौद्योगिकी (ICT in Hindi)

HINDI 11 - नई मीडिया एवं हिन्दी

HINDI 12 - हिन्दीतर प्रदेश – हिन्दी भाषा एवं साहित्य

HINDI 01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास काल विभाजन तथा नामकरण की समस्या आदिकालीन साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदिकाल का नामकरण एवं प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ – सिद्ध और नाथ साहित्य वीरगाथा साहित्य – अन्य प्रवृत्तियाँ – रचनाएँ और रचनाकार – चंदबरदाई, अमीर खसरो, विद्यापति कलात्मक अभिव्यंजना – काव्य रूप और भाषा शैली

भक्तिकाल :–

भक्ति आन्दोलन के प्रादुर्भाव के सामाजिक सांस्कृतिक कारण – 'भक्ति द्राविड उपजी' – भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

हिन्दी भक्ति काव्य का सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ

निर्गुण भक्ति काव्य – निर्गुण भक्ति का दार्शनिक आधार – दो धाराएँ – ज्ञानमार्गी काव्यधारा और प्रेममार्गी काव्यधारा

ज्ञानमार्गी धारा या संत काव्य – प्रमुख निर्गुण संत कवि : कबीर, नानक, दादूदयाल और रैदास – निर्गुण संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

प्रेममार्गी धारा या सूफी काव्य – प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य – मुल्ला दाऊद (चंदायत)

कुतुबन (मिरगावती) मंथन (मधुमालती)

मलिक मुहम्मद जायसी (पदमावत) – सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप – हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषाएँ ।

सगुण भक्तिधारा – सगुण भक्ति का तात्विक आधार – दो धाराएँ – कृष्णकाव्य और रामकाव्य

कृष्णकाव्य – वल्लभ संप्रदाय और अष्टछाप के कवि – सूर काव्य – भ्रमरगीत की परम्परा – गीति काव्य परम्परा और हिन्दी कृष्णकाव्य – मीरा और रसखान

रामकाव्य – रामानंद – रामकथा और तुलसीदास । तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और काव्य रूप – तुलसी की समन्वय साधना और लोकनादकवि ।

रीतिकाल :–

रीतिकाव्य : युगपरिवेश और दरबारी संस्कृति रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकाव्य की दो प्रमुख धाराएँ : रीतिबद्ध और रीतिमुक्त – साम्य एवं वैषम्य

रीतिकाव्य के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारी, देव, घनानंद और पद्माकर ।

आधुनिक काल :–

आधुनिक काल : 1857 की राज्य क्रांति सांस्कृति पुनर्जागरण – आधुनिकता की अवधारणा एवं स्वरूप ।

आधुनिक हिन्दी साहित्य का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ – आधुनिक हिन्दी साहित्य सृजन को प्रभावित करनेवाली प्रमुख विचार – धाराएँ : पुनरूत्थानवादी, सुधारवादी, स्वखण्डतावादी, (गांधीवादी, मार्क्सवादी, अस्तित्ववादी आदि) खड़ीबोली का आंदोलन ।

आधुनिक हिन्दी कविता : विकास के प्रमुख उत्थान, काव्यांदोलन एवं काव्य प्रवृत्तियाँ – भारतेंन्दु युग – प्रवृत्तियाँ – भारतेन्दु और उनका मण्डल ।

द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद का कृतित्व – हिन्दी नवजागरण और 'सरस्वती' प्रमुख कवि : हरिऔध एवं मैथिली शरण गुप्त ।

छायावाद : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि – प्रसाद, पंत और महादेवी

प्रगतिवादी कात्श्णारा – प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि

प्रयोगवाद एवं नई कविता

समकालीन कविता और विविध काव्यांदोलन

गद्य साहित्य :–

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य पुनर्जागरण एवं हिन्दी गद्य का सर्वतोंमुखी विकास – प्रमुख गद्य विधाएँ ।

हिन्दी नाटक का विकास – हिन्दी नाटक और रंगमंच – विकास के चरण – प्रसाद पूर्व का हिन्दी नाटक – प्रासाद युग – समस्यामूलक नाटक – स्वतंत्रता परवर्ती हिन्दी नाटक

हिन्दी एकांकी का विकास – प्रमुख एकांकीकार

हिन्दी उपन्यास का विकास – पूर्व प्रेमचन्द युग और प्रेमचन्द परवर्ती युग

प्रमुख उपन्यासकार – हिन्दी उपन्यास का प्रवृत्तिमूलक विश्लेषण

हिन्दी कहानी का विकास – विविध चरण – पूर्व प्रेमचन्द युग – प्रेमचन्द युग – प्रेमचन्द परवर्ती युग – नई कहानी – नई कहानी के बाद – प्रमुख कहानी आन्दोलन – हिन्दी कहानी के प्रमुख हस्ताक्षर

हिन्दी निबंध का विकास – विविध चरण – प्रमुख निंबंधकार – रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी डॉ, नगेन्द्र, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई

हिन्दी आलोचना का विकास – प्रमुख आलोचक रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, डॉ. नामवरसिंह

गद्य की अन्य विधाएँ :–

संस्मरण, रेखचित्र, रिपोतार्ज, जीवनी, यात्रावृत्त

संदर्भ ग्रंथ :–

हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी

हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ – रत्नाकर, मुंबई हिन्दी साहित्य (द्वितीय खण्ड) सं. धीरेन्द्र वर्मा, भारतीय हिन्दी परिषद, प्रयाग

हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ रामकुमार वर्मा, रामनारायणलाल बेनी माधव, इलाहाबाद

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द गुप्त

हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशलन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास – सं. डॉ. हरिवंशलाल शर्मा

आधुनिक हिन्दी सारहित्य की भूमिका – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद हिन्दी गद्य साहित्य का विकास – रामचन्द तिवारी ।

HINDI 02 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

1. विद्यपति – सं. डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2. कबीर – सं. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी – पद्मावत – संपा. आचार्य शुक्ल
4. सूरदास – सूरपंचरत्न – संपा. लाला गवानदीन
5. तुलसीदास – रामचरितमानस, कवितावली
6. बिहारी – बिहारी सार्धशती, संपा. ओमप्रकाश, प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय,

सहायक ग्रन्थ :–

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति, संपा. शिवप्रसाद सिंह
3. विद्यापति की पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी
4. विद्यापति संपा. आनंद प्रकाश दीक्षित
5. कबीर : डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
6. कबीर साहित्य के प्रेरणास्त्रोत – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
7. कबीर बाज भी कपोत भी – डॉ. धर्मवीर
8. संत साहित्य के प्रेरणा स्त्रोत – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
9. भारतीय प्रमाख्यान की परम्परा – आचार्य भानुप्रसाद चतुर्वेदी
10. हिन्दी सूफी काव्य – रामकुमार तिवारी
11. मध्ययुगी रोमांचक आख्यान – डॉ. नित्यानंद तिवारी
12. कबीर अकेला – डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र

13. सूर और उनका काव्य – डॉ. हरिवंश लाला शर्मा

14. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा

15. सूर सौरभ – डॉ. मुंशीराम शर्मा

16. भ्रमरगीत काव्य और उसकी परंपरा – स्नेहलता श्रीवास्तव

17. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

18. तुलसी दर्शन मीमांसा – उदयभानु सिंह

19. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ

20. कविवार बिहारी – संपा. रामकृष्ण

HINDI 03 - आधुनिक कविता

1. साकेत – मैथिल शरण गुप्त **(navam sarg)**

2. कामायनी – जयशंकर प्रसाद

3. राग – विराग - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला संपा. रामविलास शर्मा

4. उर्वशी का तृतीय अंक

5. अज्ञेय – संपा. डॉ. विद्यानिवास मिश्र

6. गजानन माधव मुक्तिबोध – संपा. अशोक वाजपेयी मुक्तिबोध रचनावली दूसरा भाग

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. साकेत : एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र

2. आधुनिक हिन्दी काव्य के विरह भावना, मधुर मालती सिंह, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली

3. कामायनी विमर्श – डॉ. गीरथ दीक्षिप

4. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ. नगेन्द्र, नेशलन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

6. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7. अज्ञेय : सृजन और संदर्भ - रामकमल राय, नेशलन पब्लिशिंग हाउस

8. मुक्तिबोध - संपादक – डॉ. परमानंद श्रीवास्तव

9. नई कविता – सीमाएँ और संभावनाएँ, गिरिजाकुमार माथुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

10. नई कविता के प्रतिमान – डॉ लक्ष्मीकांत वर्मा

HINDI 04 - कथा साहित्य

1. उपन्यास :

गोदान – प्रेमचन्द

रागदरबारी – श्रीलाल शुकल

2. कहानी :

1. उसने कहा था –चंद्राधर शर्मा गुलेरी

2. आकाशद्वीप – जयशंकर प्रसार

3. कफन – प्रेमचन्द

4. परमात्मा का कुत्ता – माहन राकेश

5. ठेस – रेणु

6. परिंदे – निर्मल वर्मा

7. वापसी – उषा प्रियंवदा

8. पिता – ज्ञान रंजन

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. गोदान – संपा. डॉ. इंद्रनाथ मदान

2. हिन्दी उपन्यास – डॉ. सुषमा धवन

3. हिन्दी उपन्यास – पहचान और परख – सं डॉ इंद्रनाथ मदान

4. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान – डॉ. रामदरश मिश्र

5. हिन्दी कहानी और संवेदना – डॉ. राजेन्द्र यादव, नेशलन पब्लिशिंग हाउस

HINDI 05 - कथेतर साहित्य

नाटक :

1. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

2. आधे–अधूरे – मोहन राकेश

निबन्ध :–

1. बालकृष्ण टूट – नई बात की चाह लोगों में क्यों होती है

2. रामचन्द्र शुक्ल – श्रद्धा भक्ति

3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल

4. रामवृक्ष बेनीपुरी – गेहूँ और गुलाब

5. विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भगी रहा है

6. कुबेरनाथ राय – संपाती के बेटे

7. हरिशंकर परसाई – बेईमानी की परत

संस्मरण : पथ के साथी – महादेवी वर्मा

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रसाद के नाटकों का शस्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

2. हिन्दी नाटककार – जयनाथ नलिन

3. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा

4. हिन्दी नाटक – डॉ. बच्चन सिंह

5. भारतीय नाट्य साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र

6. हिन्दी निबंधकार – जयनाथ नलिन

7. हिन्दी निबंध – प्रभाकर माचवे

HINDI 06 - भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा

2. भारतीय साहित्य की अध्ययन की समस्याएँ

3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

4. भारतीयता का समाजशास्त्र – भारतीय साहित्य को रुपायित करनेवाली विविध विचारधराएँ

5. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति – भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र

एक उपन्यास, एक कवितासंग्रह, एक नाटक, अध्ययन और मात्र आलोचनात्मक प्रश्न हेतु

उपन्यास:

कविता संग्रह

नाटक

HINDI 07 - भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

भाषा विज्ञान :

1. भाषा की परिभाषा – भाषा और बोली – क्षेत्रीयबोली और सामाजिक बोली – भाषा और वाक् – भाषा और लिपि व्यवस्था

2. भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की पद्धति और स्वरुप, एककालिक और कालक्रमिक सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त ऐतिहासिक और तुलनात्मक – समाज भाषा विज्ञान और मनो भाषा विज्ञान – भाषा वैज्ञानिक

विश्लेषण की इकाइयाँ – वाक्य, रूपिम और स्वनिम

भाषिक विश्लेषण :

स्वन स्यवस्था – स्वन विज्ञान की शाखाएँ – श्रव्य – यांत्रिक – वागेन्द्रिय और उच्चारण प्रक्रिया – स्वरों – व्यंजनों का वर्गीकरण – स्वर एवं व्यंजन की परिभाषा – अक्षर की संकल्पना, खण्डीय एवं खण्डेतर ध्वनियों का वर्गीकरण – मात्रा, बलाघात, सूर, अनुतान एवं

संहिता – स्वन विज्ञान7 और स्वनिम विज्ञान में अन्तर – स्वनिक की परिभाषा – स्वनिक की प्रकृति और प्रकार – स्वन – सहस्वन और स्वनिम – स्वनिमिक विश्लेषण के सिद्धांत

रूप विज्ञान :

रूप और रूपिम की परिभाषा – रूपिम निर्धारण के सिद्धांत – रूपिम के प्रकार : बद्ध और युक्त – रूपिक प्रक्रिया – उपसर्ग – मध्य सर्ग – प्रत्यय या परसर्ग – पर साधन और

शब्द साधन – शब्द वर्ग त्रॅवतक बसेंमेऋ – प्सरकीएिरक कोटियाँ

वाक्य विज्ञान :

वाक्य विश्लेषण की प्रमुख पद्धतियाँ वाक्यीय संरचनाएँ : वाक्य, उपवाक्य एवं

पदबंध

प्रोक्ति संरचना : एक परिचय

हिन्दी भाषा का इतिहास :–

1. हिन्दी से तात्पर्य बोध – हिन्दी का जनपदीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ – हिन्दी भाषा और उसकी प्रमुख बोलियाँ – हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का संदर्भ

2. हिन्दी का विकासेतिहास : भारतीय आर्य भाषा का ऐतिहासिक विकास और हिन्दी – हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास – खडी बोली के विशेष संदर्भ में

3. देवनागरी लिपि और वर्तनी – देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास यऔर सुधार – देवनागरी के मानकीकरण का प्रश्न – हिन्दी वर्तनी के मुख्य नियम

हिन्दी भाषा की संरचना :

1. हिन्दी की स्वनिक एवं स्वनिमिक व्यवस्था :

हिन्दी स्वर एवं व्यजंन ध्वनियों का औच्चारणिक विश्लेषण एवं वर्गीकरण – हिन्दी के अक्षर की प्रकृति – हिन्दी में मात्रा, बालाघात, अनुतान और संहिता – हिन्दी की प्रकृति – हिन्दी की विशिष्ट स्वनिमिक समस्याएँ : लेप, महाप्राणीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता

2. हिन्दी की रूपिम व्यवस्था : हिन्दी के रूपिम और उनकी रचना प्रक्रिया – उपसर्ग और प्रत्यय हिन्दी के शब्द वर्ग और उनकी रूपावली : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किक्रया विशेषण, निपात और योजन – व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरूष, काल, पक्ष, वृत्ति, कारक –

हिन्दी के क्रिया के प्रकार : अकर्मक, सकर्मक एवं प्रेरणार्थक, नामिक क्रिया, संयुक्त एवं सहायक किक्र

3. हिन्दी की वाक्य संरचना : रचना के आधार पर : साधारण मिश्र और संयुक्त वाक्य – अर्थ के आधार पर :निषेधार्थक, प्रेरणार्थक, प्रश्नवाचक, आज्ञार्थक, इच्चार्थक आदि

4. हिन्दी का शब्द समूह – स्त्रोतगत परिदच : तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी – हिन्दी की आर्थी संरचना : अनेकार्थकता, पर्याय, विलोम, समरूपता

HINDI 08 - प्रयोजनमूलक हिन्दी

कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विगिन्न रूप सार्जनात्गक गाषा, राजगाषा, गाध्यग गाषा, गातृ गाषा
2. कार्यालयी हिन्दी राजभाषा के प्रमुख प्रकार
3. प्रारूपण, पत्रलेखन, संखेपण, पल्लवन, टिप्पणी
4. परिमाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिमाषक शब्दावली – निर्माण के सिद्धांत
5. ज्ञान विज्ञान के विगिन्न क्षेत्र.ों की पारिगाषिक शब्दावली

सहायक पुस्तकें :–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश और डॉ. दिनेश गुप्त
2. प्रशासनिक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश और डॉ. दिनेश गुप्त
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. विनोद गोदरे
4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजयकुमार मल्होत्रा
5. कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन

HINDI 09 - अनुवाद विज्ञान

अनुवाद :

1. आज के संदर्भ में अनुवाद का महत्व

2. अनुवाद : अर्थ और परिभाषा – अनुवाद क्या है – कला, विज्ञान या शिल्प ?

3. अनुवाद के प्रकार : गदय – पदय होने के आधार पर विधा के आधार पर – विषय के आधार पर – अनुवाद की प्रकृति के आधार पर

4. अनुवाद के सामान्य सिद्धांत एवं नियम – श्रेष्ठ अनुवार के लक्ष्ण – अनुवादक की योग्यताएँ

5.साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ – काव्यानुवाद – नाट्यादुवाद – साहित्य के अनुवाद में शैली विषयक समस्याएँ – मुहावरों और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्या – अलंकारों के अनुवाद की समस्या – साहित्य की अनुवाद नियता का प्रश्न तथा साहित्यानुवाद की सीमाएँ

6. वैज्ञानिक या सूचना प्रधान साहित्य का अनुवाद परिभाषिक शब्दावली की समस्या

7. अनुवाद और भाषा विज्ञान – अनुवाद और अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – अनुवाद और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान – अनुवाद और अर्थविज्ञान – अनुवार और वाक्य विज्ञान

HINDI 10 - भाषा प्रौद्योगिकी (ICT in Hindi)

HINDI 11 - नई मीडिया एवं हिन्दी

HINDI 12 - हिन्दीतर प्रदेश – हिन्दी भाषा एवं साहित्य

H-10 भाषा प्रौद्योगिकी

- कंप्यूटर - भाषा - सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की भूमिका
- कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान का परिचय
- कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान के उत्पादों का सामान्य परिचय
- हिंदी के लिए विकसित कंप्यूटरीय भाषाविज्ञान के उत्पाद

H-11 नई मिडिया एवं हिंदी

- आनलॉइन संचार के विविध आयाम
- नई मीडिया का सामान्य परिचय
- नई मीडिया के तकनीकी आयाम
- हिंदी नई मीडिया - अतीत और वर्तमान
- भारत में नई मीडिया से संबद्ध कानूनी प्रावधान एवं आचार संहिता

H-12 हिंदीतर प्रदेश - हिंदी भाषा एवं साहित्य

- हिंदीतर प्रदेश में हिंदी भाषा एवं साहित्य
- हिंदीतर प्रदेश में हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय
- हिंदी साहित्य को दक्षिण-भारत की देन
- दक्षिण भारतीय लेखकों का हिंदी साहित्य का अध्ययन - काव्य एवं नाटक विधाएँ
- दक्षिण भारतीय लेखकों का हिंदी साहित्य का अध्ययन - कथा-साहित्य एवं अन्य विधाएँ